हिंदी पखवाड़ा/सप्ताह 2021 के अवसर पर
महानिदेशक महोदय की अपील

31.08.2021

मुझे बेहद खुशी है कि सितंबर 2021 के दौरान हिंदी पखवाड़ा/सप्ताह ब्यूरो के सभी कार्यालयों में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर कई प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

14 सितंबर 1949 को भारत के संविधान में सभी ने हिंदी भाषा को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। संविधान में देवनागरी लिपि को राजभाषा हिंदी की लिपि व अंतर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकृत अंकों को आधिकारिक रूप से भारतीय अंकों के रूप में मान्यता दी गई ।

हिंदी आज भारत की ही नहीं, पूरे विश्व की भाषा बन चुकी है। भारतवंशी विश्व के प्राय: सभी देशों में बसे हैं। उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति, रीति-रिवाजों को न केवल धरोहर के रूप में सहजकर रखा है, अपितु इनके प्रचार-प्रसार में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ध्वन्यात्मकता के विशिष्ट गुण के कारण हिंदी को कम्प्यूटर के लिए भी सबसे उपयुक्त भाषा के रूप में पहचान मिली है। इसलिए कम्प्यूटर और संचार प्रौद्योगिकी में आज हिंदी की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो गई है। समाचार पत्र, पत्रिकाओं, टीवी जैसे प्रचार माध्यमों, फिल्मों व साहित्य ने हिंदी को भारत में ही नहीं अपितु विश्वभर में प्रतिष्ठित किया है। विश्व में 146 विश्वविद्यालयों में हिंदी विधिवत् रूप से पढ़ाई जाती है। यह मनोरंजन, उद्योग, शिक्षा जैसे सभी क्षेत्रों में अपना स्थान बना चुकी है।

बीआईएस का अंतिम लक्ष्य उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा है, जिसमें हिंदी महत्त्वपूर्ण है। इसलिए आरंभ से ही ब्यूरो की सभी गतिविधियों का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए हिंदी सेतु की भूमिका निभाती आई है। मानकीकरण, प्रमाणन, गुणता की अवधारणा के प्रचार-प्रसार में हिंदी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बीआईएस ने हिंदी वर्तनी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण के लिए भारतीय मानक आईएएस 16500:2012 "देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण" निर्धारित किया है।

इस अवसर पर मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि आप अपना ज्यादा से ज्यादा काम हिंदी में करें, और हस्ताक्षर भी हिंदी में करें। इसके साथ-साथ 14 सितम्बर के दिन अपने कार्यालयों में **'राजभाषा प्रतिज्ञा'** लें जोकि राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी की गई है।

आप सभी से मैं अपील करता हूं कि न केवल हिंदी पखवाड़े के दौरान अपितु पूरे वर्ष आप हिंदी में ही कार्य करने का संकल्प लें क्योंकि हिंदी मात्र भाषा ही नहीं अपितु हमारी मातृभाषा भी है।

इस अवसर पर सभी को मैं हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

प्रमोद

(प्रमोद कुमार तिवारी)
महानिदेशक